



Total No. of Printed Pages – 4

CCSME21 805269
PAPER / पत्र – II
HO LANGUAGE AND LITERATURE
हो भाषा और साहित्य
SUBJECT CODE / विषय कोड : 05

Full Marks : 150
पूर्णांक : 150

Time : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड-A में कुल 4 प्रश्न (प्रश्न संख्या 1 से 4) एवं खण्ड-B में कुल 4 प्रश्न (प्रश्न संख्या 5 से 8) है।

प्रश्न संख्या 1 एवं प्रश्न संख्या 5 सभी परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य है।

परीक्षार्थियों को कुल 6 प्रश्नों का उत्तर लिखना है जिसमें दोनों खण्ड-A एवं खण्ड-B से अनिवार्य प्रश्न संख्या के अतिरिक्त 1 (एक प्रश्न) का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

अनिवार्य प्रश्न संख्या 1 एवं 5 में सात प्रश्नों में से पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा जिसका प्रति प्रश्न 7 अंक निर्धारित है।

प्रश्न संख्या 1 एवं 5 के अतिरिक्त शेष प्रश्नों का 20 अंक प्रति प्रश्न है।

निर्देश :

कुनुलि बर बहगा रे मेनः ।

खण्ड-A रे 4 (1 से 4) ओन्डोः खण्ड-B रे 4 (5 से 8) ।

कुनुलि 1 ओन्डोः 5 दो अनिवार्य मेनः ।

बरिया खण्ड मिसा केएते तुरुइया (6) कुनुलि रेयः हनल ओले तेयः ।

खण्ड-A ओन्डोः खण्ड-B रेयः अनिवार्य कुनुलि लोः ओन्डोः मिडो कुनुलि ओले अनिवार्य मेनः ।

हनल दो अपना भाषा 'हो' रेगे ओलेतेयः ।



खण्ड - A

1. जान मोणे कुनुलि रे हनल ओलेम: (5 × 7 = 35)
- (क) हो भाषा रेय: उंकुडु ओन्डो: वेरेड चि विकास चिलिका होबा लेना ?
- (ख) हो भाषा रेय: विशेषता को ओलेबेन ।
- (ग) होरो: (सर्वनाम) चेन: को मेत: ? नेना चिमिन रोकोम ते मेन: ? उदाहरण लो: ओलेम ।
- (घ) बुलिङ् दो चेन: ? हो रे बुलिङ् चिमिन रोकोम ते मेन: ? उदाहरण लो: ओलेम ।
- (ङ) वारड क्षिति लिपि रे उंकुडु चिलिका ते होबालेना ? नेन रेय: विकास चिलिका होबा दइयो: ?
- (च) हो भाषा लो: एटा भाषा को लो: चिलिका सोम्बोन्द् मेन: ?
- (छ) नेना को रेय: मियङ् सोब्दो रो ओलेम:
- (i) सविकोय ते हुङ् सिटिया
- (ii) मंडि उतु इसिन ओअ:
- (iii) मियङ् हो'अ: बरिया एरा किञ्
- (iv) का' आँदिया कनि:
- (v) बबा बाँदि एम टयड
- (vi) मणा तोपा टयड
- (vii) चटु बइ नि:
2. बरिया रेय: हनल ओलेबेन : (2 × 10 = 20)
- (क) हो लोक साहित्य रेय: परिभाषा ओलेबेन । हो लोक साहित्य रे हनाटिङ् चिलिका मेन: ?
- (ख) हो लोक गीत रे पुदुगल चि प्रकृति रेय: चित्रण को चिलिका नेल नमो: ?
- कारे/अथवा
- (ग) हो लोक कथा रे मिसिया-बरे कोअ: चिलिकन कहानि को मेन: ?
- (घ) नेना को रेय: ओरतो ओलेबेन :
- (i) बिलय लेका हऊर तोपन
- (ii) पुन्डि रम्बा उतु
- (iii) सरू सकम रे द: दुले
- (iv) रचा जोबरायना जो: ले'याबु
- (v) अरसि बुगिन बनो:
- (vi) कञि दोया कुंडामे
- (vii) ओ'अ: रेगे जिवोन हकय
- (viii) जोम-जोम ते इतिलो:
- (ix) कनि अंगुङ् का'डेकोडे
- (x) जिलु जोमते



3. बरिया रेयः हनल ओलेबेन :

(2 × 10 = 20)

(क) तला सोमय चि मध्यकाल रे हो साहित्य रेयः

विकास चिलिका होबा लेना ? चर्चाएम

(ख) हो कविता रेयः विकास चिलिका होबा कना ?

कारि/अथवा

नेना रेयः गेअन-वेअन ओलेबेनः

(ग) “दुवर तः बेटा के रेदो बितर रे दुबाकनिः को कुलिया “सुकुइला चि हुकुइला” । इनिः मेनेया
‘डुकुइला’ ।

(घ) गोसो जन रेगे रोड सेनोः जना

चेहरा बनोः यनाजा रो गोसो जन

मेन्दो होयो कःए मनातिड

नेन रो’ बा’ए तेगे

मुतु लेकन सोहन नितिर ताडा ।

4. बरिया रेयः हनल ओलेबेन :

(2 × 10 = 20)

(क) हो उपन्यास साहित्य रेयः विकास चिलिका होबाकना ?

(ख) लको बोदरा तिकिअः जीवनी ओलेबेन ।

कारि/अथवा

नेना रेयः गेअन-वेअन ओलेबेन !

(ग) लइः पेरे मन्डि रेचा

जि सुकु पइटि रेचा

एं गोन्दे पइटिनाला होम्हो गोसोतन ।

(घ) ओकोन दिषुम रेम जोनोम लेनाम

जुहुर लेकाम हारा लेनम

जिबोन सेनोः रेयोः हगअ अलोम अडेया ।



खण्ड - B

5. जान मोणे कुनुलि रेयः हनल ओलेम : (5 × 7 = 35)
- (क) हो कहानि साहित्य रेयः विकास चिलिका होबाकना ?
- (ख) हो पिरकल (नाटक) साहित्य रेयः विकास चिलिका होबाकना ?
- (ग) धनुर सिंह पुरती तिकिञ ओलतड् हो दिषुम हो होन्को बर हितड् (दुसरा भाग) रेयः षार ओलेबेन ।
- (घ) कमल लोचन कोड़ाह तिकिञ “इटा बटा नाला बासा” कवोय रे चिलिकन जगर किञ ओल उदुबतडा ?
- (ङ) हरिहर सिंह सिरका तिकिञः हो संनागोम रे चिलिकन देंगा मेनः ?
- (च) शंकर लाल गगराई तिकिञ दिषुम हितड् लगिड् चिलिकन जगर को किञ ओल तडा ?
- (छ) हो साहित्य रे एटा साहित्य को रेयः चिलिका प्रभाव मेनः ?
6. बरिया रेयः हनल ओलेबेन : (2 × 10 = 20)
- (क) संस्कृति चि दोस्तुर दो चेनः ? नेन रेयः चिलिकन विशेषता को मेनः ?
- (ख) बिति पुरः ते चिलिका बु अरजाओ दइया ? समाज रे चिलिकन देंगा देपेंगा दोरकरा ?
- कारै/अथवा
- (ग) हो साहित्य चि सनागोम चिलिका ते वेरेडेना ? मियड् अबेना बिचर-उडु को मसकले बेन
- (घ) रितुई-गोन्डाई तिकिञः मियड् कत्हा कहानि ओलेबेन ।
7. हो भाषा रे अनुवाद उराएम : (20)
- “संसार में काम करने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति की यह प्रबल इच्छा रहती है कि वह निरंतर प्रगति की पथ पर आगे बढ़ता रहे । उसके कार्य करने की शक्ति का विकास हो । यह तभी संभव है जब उनका शरीर स्वस्थ हो । इसके लिए अवश्यक है कि हम अपने जीवन में कभी निराश न हो । हमें अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करना चाहिए, तभी हम प्रगति कर सकते हैं ।
8. टुटका (सक्षेपण) ते ओल उराएम : (20)
- नेन दिषुम रे बिति गे सविन कोए मरं बनोः । बिति रेयः सेबा-षड़ा दो एसु कोम टयड् कोरे होबाना । नेन दिषुम रे हिताहसा हिड् नमे रेयोः अबु ओकोना बु सेबा-षड़ा तना एना अबुअः मेड् जकेड का’ जपिडो । ओकोन टका पोयसा नाला रे सोमय को चबा तडा एनको सुकु रेदो बड को । नेन दिषुम रे पोयसा-टका सबिन कम हटिड् दइया को, मेन्दो सेंया चि भिक्षा एनकन जिनिस् तना चि अबेन नेना बेन अरजाओ के’ए रेदो सबिना बेन नमे । सेंया बेन हाटिड् के रेदो एटा हगा को अको-अको ते विति को अरजाओ दइया ।